Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand for enquiry into the conspiracy behind the suicide of former Hon'ble Lok Sabha M.P. Sh. Mohanbhai Delkar.

श्री विनायक भाउराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग): सभापति महोदय, इस सभागृह के पूर्व सदस्य जो पिछले सात बार से दादरा और नागर हवेली से सांसद के रूप में चुन कर आते थे । उन्हें 35 सालों तक सांसद के रूप में सभागृह में बैठने का सौभाग्य था । ऐसे सदस्य को दुर्भाग्य से आत्महत्या करनी पड़ी, खुदकुशी करनी पड़ी, क्योंकि प्रशासन के कई अधिकारियों ने उनका जीना हराम कर दिया था । ...(व्यवधान)

मोहन देलकर जी मुंबई में एक साधारण से होटल में रहे और वहां उन्होंने आत्महत्या कर ली । आत्महत्या करने से पहले उन्होंने गुजराती में एक खत लिखा था । अगर उस खत को पढ़े तो उससे मालूम होता है कि मोहन देलकर जैसे सीनियर खाजदार और सांसद को दादरा और नागर हेवली के प्रशासकीय अधिकारियों ने कैसी तकलीफ दी । ...(व्यवधान)

मैं सभागृह के सदस्यों को बोलना चाहता हूं, जब एक नया सदस्य चुन कर आता तो हम समझ सकते हैं, लेकिन 35 सालों तक इस सभागृह के सदस्य रहा, ऐसे सदस्य को खुदकुशी करनी पड़ी । ... *

वहां का एक साधारण प्रशासक, साधारण कलैक्टर और एसपी 35 सालों तक सांसद रहने वाले को इतना परेशान कर सकता है, यह कोई विश्वास नहीं कर सकता है ।

महाराष्ट्र की महाविकास अगाड़ी सरकार ने इस प्रकरण की इंक्वायरी करने के लिए एटीएस का निर्माण किया है । इसकी वह अच्छी तरह से जांच कर रही है । मेरी आपसे विनती है, जो सदस्य इस सभागृह का 35 वर्षों तक सदस्य रहा,

मोहन देलकर जी ने सबसे पहले अपनी तकलीफ लोक सभा अध्यक्ष जी के पास रखी, लोक सभा अध्यक्ष जी ने उन्हें न्याय देने की कोशिश की ।

मेरी आपके माध्यम से प्रधानमंत्री जी से विनती है कि मोहन देलकर जी की आत्महत्या के लिए जो भी कारण हैं, जो जिम्मेदार हैं, वहां के प्रशासक, एसपी और कलैक्टर को सस्पेंड करें और उनके ऊपर 304 के तहत कार्रवाई करे । उनके ऊपर फौजदारी कार्रवाई होनी चाहिए । मोहन देलकर जी की मृत्यु को न्याय देने की आवश्यकता है । धन्यवाद ।

माननीय सभापति : जो माननीय सदस्य इस विषय से संबंद्ध होना चाहते हैं, वे स्लीप भेज दें ।